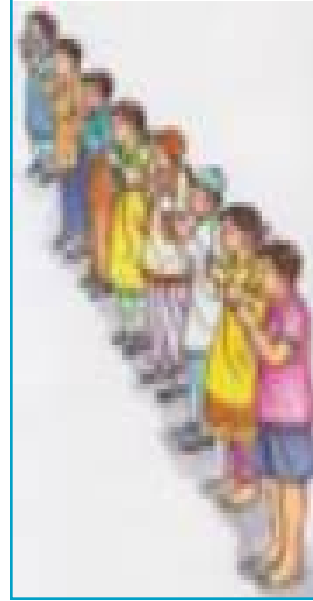


8 बच्चे की दुआ

यह एक प्रार्थना गीत है इसमें दर्दमंद और वंचितों की हिफाज़त का संकल्प है तथा खुद को बुराई से बचाकर नेक राह पर चलने की दुआ माँगी गयी है।

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी
जिन्दगी शम्अ की सूरत हो खुदाया मेरी
दूर दुनिया का मेरे दम से अंधेरा हो जाए
हर जगह मेरे चमकने से उजाला हो जाए
हो मेरे दम से यूँ ही मेरे वतन की जीनत
जिस तरह फूल से होती है चमन की जीनत
जिन्दगी हो मेरी परवाने की सूरत या-रब
इल्म की शम्अ से हो मुझको मुहब्बत या-रब
हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना
दर्दमन्दों से ज़ड़फों से मुहब्बत करना
मेरे अल्लाह बुराई से बचाना मुझको
नेक जो राह हो, उस राह पे चलाना मुझको



मो० इकबाल

शब्दार्थ

लब	-	होंठ
दुआ	-	प्रार्थना
जीनत	-	शोभा
इल्म	-	शिक्षा
हिमायत	-	भलाई
मुहब्बत	-	प्यार, लगाव
चमन	-	फुलवारी
ज़ड़फों	-	वृद्धों
नेक	-	अच्छा
या-रब	-	हे ईश्वर
राह	-	रास्ता

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. इस कविता में कवि किन-किन चीज़ों की चाह रख रहा है ?
2. कविता में संसार को बेहतर बनाने की कामना मुखर हुई है। उन कामनाओं को अपने शब्दों में लिखिए।

पाठ से आगे

1. अल्लाह बुराई से बचाना मुझको तथा नेक राह में चलने की शक्ति प्रदान करना नज़्म की किन पंक्तियों में ऐसा भाव स्पष्ट किया गया है? नज़्म की उन पंक्तियों को लिखिए।
2. आपके घर में या पड़ोस में बुजुर्ग होंगे, आप उनकी देखभाल कैसे करना चाहेंगे ? उल्लेख कीजिए।
3. अल्लाह और ईश्वर में कोई फ़र्क नहीं है। इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए।
4. **व्याख्या कीजिए :**
 - (क) ज़िन्दगी हो मेरी परवाने की सूरत या-रब। इल्म की शम्अ से हो मुझको मुहब्बत या-रब
 - (ख) हो मेरे दम से यूँ ही मेरे वतन की ज़ीनत। जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत
 - (ग) मेरे अल्लाह बुराई से बचाना मुझको। नेक जो राह हो, उस राह पे चलाना मुझको

इन्हें भी जानिए

1. पाठ में अनेक शब्द दिए गए हैं, जिनमें नुक्ते का प्रयोग है। उर्दू के विभिन्न वर्णों के नीचे विन्दु का प्रयोग होता है। इन्हें नुक्ता कहते हैं। नुक्ते का प्रयोग पाँच वर्णों में होता है-क, ख, ग, ज, फ। इनके चलते अर्थों में बदलाव आ जाता है। जैसे-

काज	-	काम	जरा	-	बुढ़ापा
काज़	-	बटन होल	ज़रा	-	थोड़ा
फन	-	साँप का फन	बाग	-	फुलवारी
फ़न	-	कला	बाग़	-	लगाम, रास
ख़ाना	-	किसी चीज़ को रखने की जगह			
खाना	-	भोजन			

पाठ से ऐसे शब्दों को चुनकर लिखिए जिसके नीचे नुक्ता लगा है।

गतिविधि

इस कविता से मिलती-जुलती और भी कविताएँ या गीत आपने सुनी होंगी, उन्हें कक्षा में सुनाइए।